<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 1426

01 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण और विस्तार

1426. श्री मनोज कोटकः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने अपने इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार का कार्य आरंभ किया है;

(ख) यदि हां, तो सेल के अंतर्गत विभिन्न संयंत्रों के आधुनिकीकरण और विस्तार की वर्तमान स्थिति सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उक्त परियोजना के पूरा होने में कोई विलंब हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो आधुनिकीकरण और विस्तार परियोजनाओं के कब तक पूरा होने की संभावना है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): सेल ने भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखण्ड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) एवं बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने पांच एकीकृत इस्पात संयंत्रों और सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र में अपनी क्रूड इस्पात क्षमता को 12.8 मिलियन टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) से 21.4 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य शुरू किया है।

(ख): सितंबर 2010 में सेलम का विस्तार कार्य पूरा हो गया था। आधुनिकीकृत एवं विस्तारित राउरकेला इस्पात संयंत्र और इस्को इस्पात संयंत्र, बर्नपुर क्रमशः दिनांक 01.04.2015 और 10.05.2015 को राष्ट्र को समर्पित किए गए। दुर्गापुर इस्पात संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार कार्य क्रमशः जून, 2015 और सितंबर, 2015 में पूरा हुआ। भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के एकीकृत प्रक्रिया रूट को दिनांक 14.06.2018 को राष्ट्र को समर्पित किया गया।

(ग): जी हाँ। आधुनिकीकरण और विस्तार योजना को पूरा करने का कार्य इसके मैग्निटूड/स्केल के कारण प्रभावित हुआ, जो असामान्य था और सामान्यतया सभी संयंत्रों में इसके क्रियान्वयन के दौरान विभिन्न मुद्दों/बाधाओं का सामना करना पड़ता था।

(घ): उपरोक्त (ख) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

****